

॥श्रीहरिः॥

नम्र निवेदन

निम्नलिखित पाठ में जो कुछ भी श्रेयस्कर है वह मूल ग्रंथ से लिया गया है। कोई भी गलती या कमी पूरी तरह से अनुवादक की है, और पाठकों से इसके लिए क्षमा प्रार्थना की जाती है।

– अनुवादक

॥श्रीहरिः॥